**दिल्ली राजपत्र भाग–चार (असाधारण) में प्रकाशनार्थ**
**राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार**
**विधि,न्याय एवं विधायी कार्य विभाग**
**दिल्ली सचिवालय, आई0पी0एस्टेट, नई दिल्ली।**

**सं0फा0 14 (33)वि.कार्य–2000–03/1101** **दिनांकः 02 जुलाई, 2003**

<u>अधिसूचना</u>

सं0फा0 14 (33)वि.कार्य–2000–03/1101/ .– राष्ट्रपति, भारत सरकार की दिनांक 13.6.2003 को मिली अनुमति के पश्चात् विधानसभा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली द्वारा पारित निम्नलिखित अधिनियम जनसाधारण के सूचनार्थ प्रकाशित किया जा रहा है :–

"दिल्ली राजभाषा अधिनियम, 2000 (दिल्ली अधिनियम संख्या 8 वर्ष 2003)

(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा द्वारा 03 अप्रैल, 2003 को यथा पारित)

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के शासकीय प्रयोजनों एवं अन्य विषयों के लिए प्रयोग की जाने वाली प्रथम भाषा के रूप में देवनागरी लिपि में हिन्दी और द्वितीय भाषाओं के रूप में गुरूमुखी लिपि में पंजाबी और फारसी लिपि में उर्दू को स्वीकृत कराने हेतु एक अधिनियम

यह भारतीय गणतंत्र के इक्यावनवें वर्ष में राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा द्वारा निम्न प्रकार विनियमित किया जाए :–

1. **संक्षिप्त शीर्षक, विस्तार एवं प्रारंभ** (1) इस अधिनियम को दिल्ली राजभाषा अधिनियम, 2000 कहा जाए।

(2) यह संपूर्ण दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में विस्तारित है।

(3) यह उस तिथि से प्रभावी होगा जो सरकार शासकीय राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करें।

2. **परिभाषाएं** जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, तब तक इस अधिनियम में :–

(क) "दिल्ली" का अर्थ है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली;

(ख) "सरकार" का अर्थ राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की सरकार से है;

(ग) "विधानसभा" का अर्थ है राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा।

3. **हिन्दी का दिल्ली की राजभाषा होना** दिल्ली की राजभाषा देवनागरी लिपि में हिन्दी उस तिथि से होगी जो सरकार शासकीय राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करें

बशर्ते कि दिल्ली में अंग्रेजी भाषा उन प्रशासनिक एवं विधायी प्रयोजनों के लिए उपयोग की जाती रहेंगी जिनके लिए इस अधिनियम के लागू होने से पूर्व राजभाषा अधिनियम, 1963 (1963 का 19) की धारा 3 में उल्लिखित प्रावधानों के अनुरूप प्रयोग की जाती रही थी।

आगे शर्त है कि विधानसभा में प्रस्तुत कोई विधेयक या पारित अधिनियम अथवा दिल्ली के उपराज्यपाल द्वारा प्रख्यापित अध्यादेश अथवा संसद या विधानसभा द्वारा बनाए गये किसी कानून अथवा सरकारी राजपत्र में दिल्ली के उपराज्यपाल के प्राधिकार के अन्तर्गत प्रकाशित दिल्ली में विस्तारित किसी अन्य राज्य के कानून के अन्तर्गत जारी किसी आदेश, नियम, विनियम अथवा उपविधि का अनुवाद इस अधिनियम के अन्तर्गत अंग्रेजी, पंजाबी और उर्दू भाषाओं में इसका प्राधिकृत पाठ मान लिया जायेगा।"

4. **पंजाबी एवं उर्दू दिल्ली की दो द्वितीय राजभाषाएं**

निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए गुरूमुखी लिपि में पंजाबी तथा फारसी लिपि में उर्दू दिल्ली की द्वितीय भाषाएं होंगी; अर्थात् :–

"(क) दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार के सभी कार्यालयों द्वारा उर्दू या पंजाबी में आवेदन पत्र अथवा याचिकाएं प्राप्त करने और इनके उत्तर देना।

(ख) महत्वपूर्ण सरकारी नियम, विनियम और राजपत्र अधिसूचनाओं के उर्दू और पंजाबी अनुवाद का भी प्रकाशन।

(ग) सरकारी भवनों, सरकारी कार्यालयों तथा सड़कों आदि के नामपट्ट उर्दू तथा पंजाबी मे भी होंगे।

(घ) उर्दू तथा पंजाबी के समाचार--पत्रों में महत्वपूर्ण सरकारी विज्ञापनों का भी प्रकाशन।

(ङ) जहां कहीं आवश्यक हो विधानसभा की कार्रवाही उर्दू और पंजाबी में अभिलेखबद्ध की जाएगी तथा उर्दू एवं पंजाबी में भी साथ–साथ जारी की जाएगी।"

5. **अंको का स्वरूप**

दिल्ली के शासकीय प्रयोजन के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले अंकों का स्वरूप अंकों का भारतीय अंतर्राष्ट्रीय स्वरूप होगा।

6. **नियम बनाने की शक्ति**

(1) इस अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए सरकार सरकारी राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियम बना सकती है।

(2) विशेषतः और पूर्वोक्त शक्ति की सामान्यता पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, ऐसे नियम निम्नलिखित में से सभी या किसी विषय का प्रावधान कर सकते है, यथा

"(क) विधेयकों इत्यादि के हिन्दी भाषा के प्राधिकृत पाठ का अंग्रेजर, पंजाबी तथा उर्दू भाषाओं में अनुवाद की रीति;

(ख) कोई अन्य विषय जो अपेक्षित है अथवा निर्धारित किया जा सकता है।"

3. इस अधिनियम के अधीन बनाए गए प्रत्येक नियम के बनने के तुरंत बाद इसे यथाशीघ्र विधानसभा के सत्र के तीस दिनों के अन्तर्गत चाहे वह एक दो या इससे अधिक उत्तरवर्ती सूत्रों का समाहार हो, सदन के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा तथा उपयुक्त अवधि के अन्तर्गत यदि सदन नियम में किसी प्रकार का संशोधन करने के लिए सहमत होता है या इसके लिए सहमत होता है कि नियम नहीं बनाया जाना चाहिए, तो नियम या तो संशोधित रूप में प्रभावी होगा या प्रभावी नहीं होगा, जैसी भी स्थिति हो, तथापि ऐसे संशोधन या निरसन का उक्त नियम के अन्तर्गत पहले किए गए किसी कार्य की वैधता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पडेगा।

(دلّی گزٹ غیر معمولی کے جزو 4 میں اشاعت کے لیے)

**قومی راجدھانی خطّہ دلّی سرکار**

**(محکمۂ قانون، انصاف وقانونی معاملات)**

**8ویں منزل، سی ونگ، دلّی سکریٹریٹ، نئی دلّی۔ 110002**

نمبر ایف 14(33)ایل.اے/03-2000/1099 مورخہ 2/جولائی 2003ء

# اطلاع نامہ (نوٹیفکیشن)

نمبر ایف 14(33)/ایل.اے 03-2000 قومی راجدھانی خطّہ دلّی کی مجلس قانون ساز (لیجسلیٹو اسمبلی) کے درج ذیل قانون (ایکٹ) کو 13/جون 2003ء کو صدر جمہوریہ ہند کی منظوری حاصل ہوئی اور اب اسے عام اطلاع کے لیے شائع کیا جارہا ہے۔

"دلّی سرکاری زبان قانون 2000 (2003 کا دلّی قانون نمبر 8)

(جیسا کہ قومی راجدھانی خطہ دلّی کی مجلس قانون ساز نے 3/اپریل 2000ء کو منظور کیا)

قومی راجدھانی خطّہ دلّی کے سرکاری مقاصد اور دوسرے معاملات میں استعمال کے لیے ہندی کو دیوناگری رسم الخط میں پہلی سرکاری زبان کی حیثیت سے اور پنجابی کو گورمکھی رسم الخط میں اور اردو کو فارسی رسم الخط میں دوسری سرکاری زبان کی حیثیت سے نافذ کرنے کی خاطر ایک قانون۔

قومی راجدھانی خطّہ دلّی کی مجلس قانون ساز سے جمہوریۂ ہند کے اکیاونویں سال میں اسے درج ذیل طور پر قانونی شکل دی جائے۔

**مختصر عنوان، حدود اور نفاذ:-**

1۔(1) اس قانون کو دلّی سرکاری زبان قانون 2000ء کہا جائے گا۔
(2) یہ پورے قومی راجدھانی خطّہ دلّی میں نافذ ہوگا۔
(3) یہ اُس تاریخ سے نافذ ہوگا جو سرکار اطلاع نامہ کے ذریعہ سرکاری گزٹ میں مشتہر کرے۔

**تشریح:-**

2۔ اس قانون میں جب تک سیاق وسباق سے کچھ اور مراد نہ ہو۔
(الف) 'دلّی' سے مراد قومی راجدھانی خطّہ دلّی ہے۔
(ب) 'سرکار' سے مراد قومی راجدھانی خطّہ دلّی سرکار ہے۔
(ج) 'مجلس قانون ساز' سے مراد قومی راجدھانی خطّہ دلّی کی مجلس قانون ساز ہے۔

**ہندی دلّی کی سرکاری زبان:-**

3۔ ہندی دیوناگری رسم الخط میں اُس تاریخ سے دلّی کی سرکاری زبان ہوگی جو سرکار اِس بارے میں اطلاع نامہ کے ذریعہ سرکاری گزٹ میں مقرر کرے۔
شرط یہ ہے کہ انگریزی زبان کا استعمال دلّی میں ان انتظامی اور قانونی مقاصد کے لیے جاری رہے گا جن کے لیے اس قانون کے نفاذ سے پہلے سرکاری السنہ قانون 1963 (1963 کا 19) کی دفعہ 3 میں درج قراردادوں کے مطابق استعمال کی جارہی تھی۔

2

شرط یہ بھی ہے کہ مجلس قانون ساز میں پیش کئے گئے کسی بھی بل یا پاس کئے گئے کسی قانون یا دلّی کے لیفٹیننٹ گورنر کی طرف سے نافذ کئے گئے کسی آرڈیننس یا کسی حکم، قاعدہ، ضابطہ جو پارلیمنٹ یا مجلس قانون ساز کے بنائے ہوئے کسی قانون کے تحت جاری کیا گیا ہو یا کوئی اور ریاستی قانون جس کا دلّی میں اطلاق ہو اور جو دلّی کے لیفٹیننٹ گورنر کے اختیارات کے تحت سرکاری گزٹ میں شائع ہوا ہو، اِس قانون کے تحت اُن کا انگریزی، پنجابی اور اُردو زبانوں میں ترجمہ مستند متن سمجھا جائے گا۔

**پنجابی اور اردو دلّی کی دوسری سرکاری زبانیں:-**

4- پنجابی گورمکھی رسم الخط میں اور اردو اردو رسم الخط میں درج ذیل مقاصد کے لیے دلّی کی دوسری سرکاری زبانیں ہوں گی:

(الف) قومی راجدھانی خطّہ دلّی کے سبھی دفتروں میں درخواستوں اور عرضیوں کی اردو یا پنجابی میں وصولی اور اسی زبان میں اس کا جواب۔

(ب) اہم سرکاری قوانین، ضوابط اور گزٹ اطلاع ناموں کے ترجموں کی اردو اور پنجابی میں بھی اشاعت۔

(ج) سرکاری عمارتوں، سرکاری دفتروں اور سڑکوں وغیرہ کے سائن بورڈ اردو اور پنجابی میں بھی لکھے جائیں گے۔

(د) اخبارات میں اہم سرکاری اشتہارات کی اردو اور پنجابی میں بھی اشاعت۔

(ہ) مجلس قانون ساز کی کارروائی جہاں ضرورت ہو ساتھ ساتھ اردو اور پنجابی میں بھی محفوظ اور جاری کی جائے گی۔

**اعداد کی شکل:-**

5- دلّی کے سرکاری مقاصد کے لیے استعمال کئے جانے والے اعداد کی شکل ہندوستانی اعداد کی بین الاقوامی شکل کے مطابق ہوگی۔

**قواعد بنانے کا اختیار:-**

6- (1) سرکار اپنے گزٹ میں اطلاع نامے کے ذریعہ اس قانون کے مقاصد کو پورا کرنے کے لیے قواعد بنا سکتی ہے۔

(2) خاص طور سے اور مذکورہ بالا اختیارات کی عمومیت کو متاثر کئے بغیر ایسے قواعد میں درج ذیل سبھی یا کچھ معاملوں کو ملحوظ رکھا جائے گا۔

(الف) بلوں وغیرہ کے ہندی زبان میں اصل متن کے انگریزی، پنجابی اور اردو زبان میں ترجمہ کا طریقہ

(ب) کوئی اور معاملہ جس کی ضرورت ہو اور جو مقرر کیا جائے۔

(3) اس قانون کے تحت جو بھی قواعد بنائے جائیں گے، وہ بنائے جانے کے بعد جلد از جلد مجلس قانون ساز کے ایوان میں پیش کئے جائیں گے جبکہ اس کا سیشن چل رہا ہو تو اس کے تیس دن کے اندر، یہ مدت ایک سیشن کی بھی ہوسکتی ہے یا یکے بعد دیگرے دو یا اس سے زائد سیشن کی بھی اور اگر مذکورہ کسی سیشن کے ختم ہونے سے پہلے ایوان قواعد میں کوئی ترمیم کرتا ہے یا قواعد بنائے جانے کی ضرورت محسوس نہیں کرتا تو قواعد کا نفاذ ترمیم شدہ صورت ہی میں ہوگا یا نہیں ہوگا، جیسی بھی صورتِ حال ہو۔ اس طرح کی کوئی ترمیم یا تنسیخ اِس سے پہلے اِن قواعد پر کئے گئے عمل درآمد کو متاثر نہیں کرے گی۔

دستخط

(پی ایس پرمار)

ڈپٹی سکریٹری (قانون، انصاف و قانونی معاملات)

ਦਿੱਲੀ ਰਾਜਪੱਤਰ ਭਾਗ 4 (ਅਸਧਾਰਣ) ਵਿਚ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨਹਿਤ

ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ
ਕਾਨੂੰਨ, ਨਿਆਂ ਅਤੇ ਵਿਧਾਨਕ ਮਾਮਲੇ ਵਿਭਾਗ
ਦਿੱਲੀ ਸਕੱਤਰੇਤ, ਆਈ.ਪੀ.ਇਸਟੇਟ, ਨਵੀ ਦਿੱਲੀ

ਸੰ.ਫਾ.14(33)/ਵਿ.ਮਾਮਲੇ 2000-03/099 ਮਿਤੀ 2 ਜੁਲਾਈ 2003

## ਅਧਿਸੂਚਨਾ

ਸੰ.ਫਾ. 14(33)/ਵਿ.ਮਾਮਲੇ 2000-03:- ਰਾਸ਼ਟਰਪਤੀ ਭਾਰਤ ਸਰਕਾਰ ਦੀ ਮਿਤੀ 13-06-2003 ਨੂੰ ਮਿਲੀ ਮਨਜ਼ੂਰੀ ਤੋ ਬਾਅਦ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ ਦੁਆਰਾ ਪਾਸ ਨਿਮਨਲਿਖਿਤ ਅਧਿਨਿਯਮ ਜਨਸਧਾਰਨ ਦੀ ਸੂਚਨਾ ਲਈ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾ ਰਿਹਾ ਹੈ:-
"ਦਿੱਲੀ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਅਧਿਨਿਯਮ, 2000 (ਦਿੱਲੀ ਅਧਿਨਿਯਮ ਸੰਖਿਆ 8, ਸਾਲ 2003)
(ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੁਆਰਾ 3 ਅਪ੍ਰੈਲ 2003 ਨੂੰ ਪਾਸ)

ਦਿੱਲੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦੇ ਸਰਕਾਰੀ ਪ੍ਰਯੋਜਨਾਂ ਅਤੇ ਹੋਰ ਵਿਸ਼ਿਆਂ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤੀ ਜਾਣ ਵਾਲੀ ਪਹਿਲੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਦੇਵਨਾਗਰੀ ਲਿਪੀ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਅਤੇ ਦੂਸਰੀਆਂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ ਗੁਰਮੁਖੀ ਲਿਪੀ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਫਾਰਸੀ ਲਿਪੀ ਵਿਚ ਉਰਦੂ ਨੂੰ ਮਨਜ਼ੂਰ ਕਰਨ ਲਈ ਇਕ ਅਧਿਨਿਯਮ

ਇਹ ਭਾਰਤੀ ਗਣਤੰਤਰ ਦੇ ਇਕੀਵੇ ਸਾਲ ਵਿਚ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੁਆਰਾ ਨਿਮਨ ਪ੍ਰਕਾਰ ਅਧਿਨਿਯਮਿਤ ਕੀਤਾ ਜਾਏ:-

ਸੰਖੇਪ ਸਿਰਲੇਖ ਵਿਸਥਾਰ ਅਤੇ ਆਰੰਭ

1. (1) ਇਸ ਅਧਿਨਿਯਮ ਨੂੰ ਦਿੱਲੀ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਅਧਿਨਿਯਮ 2000 ਕਿਹਾ ਜਾਏ।

(2) ਇਹ ਸੰਪੂਰਣ ਦਿੱਲੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਵਿਚ ਵਿਸਤਾਰਿਤ ਹੈ।

(3) ਇਹ ਉਸ ਤਾਰਖੀ ਤੋ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇਗਾ ਜੋ ਸਰਕਾਰ, ਸਰਕਾਰੀ ਰਾਜਪੱਤਰ ਵਿਚ ਅਧਿਸੂਚਨਾ ਦੁਆਰਾ ਨਿਯਤ ਕਰੇ

ਪ੍ਰੀਭਾਸ਼ਾਵਾਂ:

2. ਜਦ ਤੱਕ ਇਸ ਸੰਦਰਭ ਵਿਚ ਜ਼ਰੂਰੀ ਨਾਂ ਹੋਵੇ, ਉਦੋ ਤੱਕ ਇਸ ਅਧਿਨਿਯਮ ਵਿਚ

(ਕ) 'ਦਿੱਲੀ ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ।

(ਖ) 'ਸਰਕਾਰ' ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਸਰਕਾਰ ਤੋ ਹੈ।

(ਗ) 'ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ' ਦਾ ਅਰਥ ਹੈ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ।

ਹਿੰਦੀ ਦਾ ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਹੋਣਾ

3 ਦਿੱਲੀ ਦੀ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਦੇਵਨਾਗਰੀ ਲਿਪੀ ਵਿਚ ਹਿੰਦੀ ਉਸੇ ਤਾਰਖੀ ਤੋ ਲਾਗੂ ਹੋਵੇਗੀ ਜੋ ਸਰਕਾਰੀ ਸਰਕਾਰੀ ਗਜ਼ਟ ਵਿਚ ਅਧਿਸੂਚਨਾ ਦੁਆਰਾ ਨਿਯਤ ਕਰੇ, ਬਸ਼ਰਤੇ ਕਿ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਅੰਗਰੇਜੀ ਭਾਸ਼ਾ ਉਹਨਾਂ ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਅਤੇ ਵਿਧਾਨਕ ਪ੍ਰਯੋਜਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਉਪਯੋਗ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਰਹੇਗੀ ਜਿਸ ਦੇ ਲਈ ਇਸ

ਅਧਿਨਿਯਮ ਦੇ ਲਾਗੂ ਹੋਣ ਤੋ ਪਹਿਲਾਂ ਰਾਜਭਾਸ਼ਾ ਅਧਿਨਿਯਮ, 1963 (1963 ਦੀ 19) ਦੀ ਧਾਰਾ 3 ਵਿਚ ਵਰਨਣ ਪ੍ਰਾਵਧਾਨਾਂ ਦੇ ਅਨੁਰੂਪ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਰਹੀ ਸੀ।

ਅੱਗੇ ਸ਼ਰਤ ਹੈ ਕਿ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਵਿਚ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕੋਈ ਬਿਲ ਜਾਂ ਪਾਸ ਅਧਿਨਿਯਮ ਅਥਵਾ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਉਪਰਾਜਪਾਲ ਦੁਆਰਾ ਘੋਸ਼ਿਤ ਆਰਡੀਨੈਂਸ ਅਥਵਾ ਸੰਸਦ ਜਾਂ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੁਆਰਾ ਬਣਾਏ ਗਏ ਕਿਸੇ ਕਾਨੂੰਨ ਅਥਵਾ ਸਰਕਾਰੀ ਗਜ਼ਟ ਵਿਚ ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਉਪਰਾਜਪਾਲ ਦੇ ਅਧਿਕਾਰ ਦੇ ਅੰਤਰਗਤ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਿਤ ਦਿੱਲੀ ਵਿਚ ਵਿਸਤਾਰਿਤ ਕਿਸੇ ਹੋਰ ਰਾਜ ਦੇ ਕਾਨੂੰਨ ਦੇ ਅੰਤਰਗਤ ਜਾਰੀ ਕਿਸੇ ਆਦੇਸ਼, ਨਿਯਮ, ਵਿਨਿਯਮ ਅਥਵਾ ਉਪ ਵਿਧੀ ਦਾ ਅਨੁਵਾਦ ਇਸ ਅਧਿਨਿਯਮ ਦੇ ਅੰਤਰਗਤ ਅੰਗਰੇਜੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਉਰਦੂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਇਸਦਾ ਪ੍ਰਾਧਿਕ੍ਰਿਤ ਪਾਠ, ਮੰਨ ਲਿਆ ਜਾਏਗਾ।

ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਉਰਦੂ ਦਿੱਲੀ ਦੀਆਂ ਦੋ ਰਾਜ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ

4 ਨਿਮਨਲਿਖਿਤ ਪ੍ਰਯੋਜਨਾਂ ਦੇ ਲਈ ਗੁਰਮੁਖੀ ਲਿਪੀ ਵਿਚ ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਫਾਰਸੀ ਲਿਪੀ ਵਿਚ ਉਰਦੂ ਦਿੱਲੀ ਦੀਆਂ ਦੂਸਰੀਆਂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਹੋਣਗੀਆਂ, ਅਰਥਾਤ:-

(ਕ) ਦਿੱਲੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਰਾਜਧਾਨੀ ਖੇਤਰ ਦਿੱਲੀ ਸਰਕਾਰ ਦੇ ਸਾਰੇ ਦਫਤਰਾਂ ਦੁਆਰਾ ਉਰਦੂ ਜਾਂ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਅਰਜੀਆਂ ਅਥਵਾ ਯਾਚਕਾਵਾਂ ਪ੍ਰਾਪਤ ਕਰਨੀਆਂ ਅਤੇ ਉਹਨਾਂ ਦੇ ਉਤਰ ਦੇਣਾ।

(ਖ) ਮਹੱਤਵ ਪੂਰਣ ਸਰਕਾਰੀ ਨਿਯਤ, ਵਿਨਿਯਮ ਅਤੇ ਗਜ਼ਟ ਅਧਿਸੂਚਨਾਵਾਂ ਦੇ ਉਰਦੂ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਅਨੁਵਾਦ ਦਾ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ

(ਗ) ਸਰਕਾਰੀ ਭਵਨਾਂ ਸਰਕਾਰੀ ਦਫਤਰਾਂ ਅਤੇ ਸੜਕਾਂ ਦੇ ਨਾਮ ਉਰਦੂ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਵੀ ਹੋਣਗੇ।

(ਘ) ਉਰਦੂ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਦੇ ਸਮਾਚਾਰ ਪੱਤਰਾਂ ਵਿਚ ਮਹੱਤਵਪੂਰਣ ਸਰਕਾਰੀ ਇਸ਼ਤਿਹਾਰਾਂ ਦਾ ਵੀ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ਨ

(ਙ) ਜਿਥੇ ਕਿਥੇ ਜ਼ਰੂਰੀ ਹੋਵੇ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੀ ਕਾਰਵਾਈ ਉਰਦੂ ਅਤੇ ਪੰਜਾਬੀ ਵਿਚ ਵੀ ਨਾਲ ਨਾਲ ਜਾਰੀ ਕੀਤੀ ਜਾਏਗੀ।

ਸਰੂਪ:-

5. ਦਿੱਲੀ ਦੇ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਪ੍ਰਯੋਜਨ ਦੇ ਲਈ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਅੰਕਾਂ ਦਾ ਸਰੂਪ, ਅੰਕਾਂ ਦਾ ਭਾਰਤੀ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਅੰਤਰ ਰਾਸ਼ਟਰੀ ਹੋਵੇਗਾ।

ਨਿਮਨ ਬਣਾਉਣ

6 1) ਇਸ ਅਧਿਨਿਯਮ ਦੇ ਪ੍ਰਯੋਜਨਾਂ ਨੂੰ ਲਾਗੂ ਕਰਨ ਲਈ ਸਰਕਾਰ, ਸਰਕਾਰੀ ਰਾਜਪੱਤਰ ਵਿਚ ਅਧਿਸੂਚਨਾ ਦੁਆਰਾ ਨਿਯਮ ਬਣਾ ਸਕਦੀ ਹੈ

2) ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਰੂਪ ਵਿਚ ਪੂਰਬਵਰਤੀ ਸ਼ਕਤੀ ਦੀ ਸਮਾਨਤਾ

ਅਤੇ ਪ੍ਰਤੀਕੂਲ ਪ੍ਰਭਾਵ ਪਾਏ ਬਿਨਾਂ ਅਜਿਹੇ ਨਿਯਮ ਨਿਮਨਲਿਖਿਤ ਵਿਚੋਂ ਸਾਰੇ ਜਾਂ ਕਿ ਕਿਸੇ ਵਿਸ਼ੇ ਦਾ ਪ੍ਰਾਵਧਾਨ ਕਰ ਸਕਦੇ ਹਨ, ਜਿਵੇਂ:

ਕ) ਬਿਲਾਂ ਆਦਿ ਦੇ ਹਿੰਦੀ ਭਾਸ਼ਾ ਦੇ ਪ੍ਰਧਿਕ੍ਰਿਤ ਪਾਠ ਦਾ ਅੰਗਰੇਜੀ, ਪੰਜਾਬੀ ਅਤੇ ਉਰਦੂ ਭਾਸ਼ਾਵਾਂ ਵਿਚ ਅਨੁਵਾਦ ਦੀ ਰੀਤੀ

ਖ) ਕੋਈ ਹੋਰ ਵਿਸ਼ਾ ਜੋ ਨੀਅਤ ਹੈ ਅਥਵਾ ਕੀਤਾ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ।

(3.) ਇਸ ਅਧਿਨਿਯਮ ਦੇ ਅਧੀਨ ਬਣਾਏ ਗਏ ਹਰੇਕ ਨਿਯਮ ਦੇ ਬਣਨ ਤੋਂ ਤੁਰੰਤ ਬਾਅਦ ਇਸ ਨੂੰ ਜਲਦੀ ਤੋ ਜਲਦੀ ਵਿਧਾਨ ਸਭਾ ਦੇ ਸੈਸ਼ਨ ਦੇ ਤੀਹ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਅੰਤਰਗਤ ਚਾਹੇ ਉਹ ਇਕ ਜਾਂ ਦੋ ਜਾਂ ਇਸ ਤੋ ਜਿਆਦਾ ਉਤਰਵਰਤੀ ਸੈਸ਼ਨਾਂ ਦਾ ਇਕੱਠ ਹੋਵੇ ਸਦਨ ਦੇ ਸਾਹਮਣੇ ਪ੍ਰਸਤੁਤ ਕੀਤਾ ਜਾਏਗਾ ਅਤੇ ਉਪਯੁਕਤ ਸਮੇ ਦੇ ਅੰਤਰਗਤ ਜੇਕਰ ਸਦਨ ਨਿਯਮ ਵਿਚ ਕਿਸੇ ਪ੍ਰਕਾਰ ਦਾ ਸੰਸ਼ੋਧਨ ਕਰਨ ਦੇ ਲਈ ਸਹਿਮਤ ਹੁੰਦਾ ਹੈ ਕਿ ਨਿਯਮ ਨਹੀ ਬਣਾਉਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਤਾਂ ਨਿਯਮ ਜਾਂ ਤਾਂ ਸੰਸ਼ੋਧਿਤ ਰੂਪ ਵਿਚ ਹੋਵੇਗਾ ਜਾਂ ਲਾਗੂ ਨਹੀ ਹੋਵੇਗਾ, ਜਿਸ ਤਰਾਂ ਦੀ ਵੀ ਸਥਿਤੀ ਹੋਵੇ, ਅਜਿਹੇ ਸੰਸ਼ੋਧਿਤ ਜਾਂ ਘੋਸ਼ਿਤ ਉਕਤ ਨਿਯਮ ਦੇ ਅੰਤਰਗਤ ਪਹਿਲਾਂ ਕੀਤੇ ਗਏ ਕਿਸੇ ਕੰਮ ਦੀ ਪ੍ਰਮਾਣਿਕਤਾ ਤੇ ਪ੍ਰਤੀਕੂਲ ਪ੍ਰਭਾਵ ਨਹੀ ਪਵੇਗਾ।

ਸਹੀ/-
(ਪੀ.ਐਸ.ਪਰਮਾਰ)
ਉਪ ਸਕੱਤਰ (ਕਾਨੂੰਨ, ਨਿਆਂ ਤੇ ਵਿਧਾਨਿਕ ਮਾਮਲੇ)

(TO BE PUBLISHED IN PART IV OF DELHI GAZETTE EXTRAORDINARY)

**Government of National Capital Territory of Delhi**
**(Law, Justice and Legislative Affairs Department)**
**8th Level, 'C' Wing, Delhi Secretariat, New Delhi-110 002**

No.F.14(33)/-LA-2000-03/ 1099 Dated: the 2 July, 2003

**NOTIFICATION**

No.F.14(33)/LA-2000-03/ – The following Act of the Legislative Assembly of the National Capital Territory of Delhi received the assent of the President of India on 13.6.2003 and is hereby published for general information.

"The Delhi Official Languages Act, 2000 (Delhi Act No. 8 of 2003)

(As passed by the Legislative Assembly of the National Capital Territory of Delhi 3.4.2000)

An Act to provide for adoption of Hindi in Devnagri script as the first official language and Punjabi in Gurmukhi script and Urdu in Persian script as the second languages to be used for the official purposes and other matters of the National Capital Territory of Delhi.

Be it enacted by the Legislative Assembly of National Capital Territory of Delhi in the Fifty First year of the Republic of India as follows:-

**Short title, extent and commencement**

1. (1) This Act may be called the Delhi Official Language Act, 2000.
(2) It extends to the whole of the National Capital Territory of Delhi.
(3) It shall come into force on such date as the Government may, by notification in the official Gazette, appoint.

**Definitions**

2. In this Act, unless the context otherwise requires,
(a) "Delhi" means the National Capital Territory of Delhi;
(b) "Government" means the Government of National Capital Territory of Delhi.
(c) "Legislative Assembly" means the Legislative Assembly of the National Capital Territory of Delhi.

LVS

**Hindi to be official language of Delhi**

3. Hindi in Devnagri script shall, with effect from such date as the Government may, by notification in the official Gazette, appoint in this behalf, be the official language of Delhi.

Provided that the English language may continue to be used for those administrative and legislative purposes in Delhi for which it was being used before the commencement of this Act in consonance with the provisions contained in Section 3 of the Official Languages Act, 1963 (19 of 1963):

Provided further that a translation of any Bill introduced in, or Act passed by, the Legislative Assembly or of ordinances promulgated by the Lt. Governor of Delhi or of any order, rule, regulation or bye-law issued under any law made by the Parliament or the Legislative Assembly or any other state law extended to Delhi published under the authority of the Lt. Governor of Delhi in the official Gazette, shall be deemed to be the authoritative text thereof in the English, Punjabi & Urdu languages under this Act.

**Punjabi and Urdu to be second official languages of Delhi**

4. Punjabi in Gurmukhi script and Urdu in Urdu script shall be the second official language of Delhi for the following purposes; namely :-

(a) Receipt and reply of applications and petitions by all offices of Government of NCT of Delhi in Urdu or Punjabi.

(b) Publication of the translation of important Government rules, regulations and Gazette notifications in Urdu and Punjabi also.

(c) Signboards of official buildings, Government offices and roads etc. will bear the names in Urdu and Punjabi also.

(d) Publication of important Government advertisements in the News Papers in Urdu and Punjabi also.

(e) Proceedings of Legislative Assembly will be recorded and issued simultaneously in Urdu and Punjabi also wherever required.

**Form of numerals**

5. The form of numerals to be used for the official purpose of Delhi shall be the international form of Indian numerals.



LVS

**Power to make rules**

6.(1) The Government may, by notification in the official Gazette, make rules for carrying out the purposes of this Act.

(2) In particular and without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters, namely :-

(a) the manner of translation of the authoritative text in Hindi language of Bills etc. in English, Punjabi and Urdu languages;

(b) any other matter which is required to be or may be prescribed.

(3) Every rule made under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made,before the House of the Legislative Assembly, while it is in Session, for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two or more successive sessions, and if, before the expiry of the session immediately following the session or the successive sessions aforesaid, the House agrees in making any modification in the rule or the House agrees that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be; so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

2/7/03

(P.S.PARMAR),
Deputy Secretary (Law,Jus.& L.A.).